ASHOKA
SMA - Ashoka Express Publication

# अशोका एक्सप्रेस

Member : CNSI, Delhi निर्वाण प्राप्त गीता भारती राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

Website :-www.ashokaexpress.com YouTube ashokaexpress

E-mail :-ashoka.express@live.com ashokaexpress

संपादक :- विजय कुमार भारती
प्रबंधक :- सज्जन सिंह

● वर्ष: 27 ● अंक : 39 ● नई दिल्ली ● 23 से 31 अक्तूबर 2024 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रूपये

**ओरियंट सीमेंट में 8100 करोड़ रुपये के मूल्यांकन पर हिस्सेदारी खरीदेगी अंबुजा सीमेंट**

## बहराइच हिंसा में बुधवार तक बुलडोजर कार्रवाई पर रोक, आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

**नई दिल्ली ।** उच्चतम न्यायालय बहराइच हिंसा के तीन आरोपियों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। तब तक सुप्रीम कोर्ट ने ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट को बुधवार तक कोई कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया है। दरअसल आरोपियों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी ध्वस्तीकरण नोटिस के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई किए जाने की अपील की। वकील ने कहा कि राय सरकार ने नोटिस का जवाब देने के लिए केवल तीन दिन का समय दिया है। सिंह ने कहा कि

याचिकाकर्ता संख्या-एक के पिता और भाइयों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और नोटिस कथित तौर पर 17 अक्टूबर को जारी किए गए और 18 की शाम को चिपकाए गए। उन्होंने कहा, हमने रविवार को सुनवाई का अनुरोध किया था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने अदालत से कहा कि इलाहाबाद उच न्यायालय ने मामले पर विचार किया है और नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया है। याचिकाकर्ताओं के वकील ने कहा कि उच न्यायालय ने कोई संरक्षण नहीं दिया है। इसके बाद न्यायालय ने एएसजी से बुधवार तक कोई कार्रवाई नहीं करने का मौखिक रूप से कहा और मामले को उसी दिन के लिए सूचीबद्ध किया। गौरतलब है कि महाराजगंज में एक पूजा स्थल के बाहर तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर हुए अंतर-धार्मिक विवाद में गोली लगने से राम गोपाल मिश्रा (22) की मौत हो गई थी। इस घटना से सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई, जिसके कारण क्षेत्र में आगजनी एवं तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं तथा इंटरनेट सेवा चार दिन तक निलंबित रही।

# पेट्रोलिंग समझौता, आर्मी चीफ बोले- भरोसा जमने में वक्त लगेगा

**सीमा पर गश्त इसका जरिया, इसके बाद अगला स्टेप; चीन बोला- मिलकर विवाद सुलझाएंगे**

**नई दिल्ली।** भारत-चीन के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पेट्रोलिंग समझौते के बाद मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि हम अपना सीमा विवाद मिलकर सुलझाएंगे। इंडियन आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को इस समझौते को अच्छा कदम बताया। उन्होंने कहा- सबसे पहले दोनों देशों को दोबारा विश्वास पैदा करना होगा। इसके लिए सैनिकों का एक-दूसरे को देखना और बातचीत करना जरूरी है। पेट्रोलिंग के जरिए इसके लिए सही माहौल मिलेगा। भारत और चीन ने एक दिन पहले 21 अक्टूबर को पेट्रोलिंग पर सहमति जताई थी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत और चीन में सीमा पर पेट्रोलिंग

सिस्टम को लेकर समझौता हुआ है। इससे मई, 2020 (गलवान टकराव) से पहले की स्थिति वापस आएगी। यह सकारात्मक है। भारत और चीन के बीच समझौता होने के बाद आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा, हम दोबारा भरोसा हासिल करने की प्रोसेस में हैं। इसमें वक्त लगेगा। सेनाओं का पीछे हटना, बफर जोन मैनेजमेंट भी इसके लिए अहम है। हम भरोसा कैसे पैदा करेंगे जब हम एक-दूसरे को सुन सकेंगे और एक-दूसरे को संतुष्ट कर सकेंगे। हम यह भरोसा जता पाएंगे कि जो बफर जोन बनाए गए हैं, हम उसमें जाएंगे। पेट्रोलिंग से आपको ये प्रोसेस करने में आसानी होगी। दोनों पक्षों को एक-दूसरे को समझाने का मौका मिलेगा। एक बार भरोसा जम गया तो इसके बाद अगला कदम उठाया जाएगा।

# वक्फ बिल की जेपीसी में हंगामा

**कल्याण बनर्जी ने बोतल फोड़ी, सस्पेंड किए गए; अगली बैठक में शामिल होने पर भी रोक**

**नई दिल्ली।**

संसद में वक्फ बिल पर मंगलवार को हुई जेपीसी की बैठक के दौरान टीएमसी सांसद और बीजेपी सांसद के बीच जमकर बहस हुई। इस दौरान कल्याण बनर्जी ने वहां रखी कांच की पानी की बोतल मेज पर दे मारी। जेपीसी मीटिंग में किए गए अभद्र व्यवहार के लिए सांसद कल्याण बनर्जी को एक दिन के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। वे अगली बैठक में शामिल नहीं हो सकेंगे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके सस्पेंशन के लिए प्रस्ताव रखा था। जिस पर 9-8 से वोटिंग हुई। बोतल फेंकने से कल्याण के अंगूठे और एक उंगली में चोट लगी। जिसके चलते उन्हें इलाज के लिए ले जाया गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए मीटिंग को रोका भी गया था। वक्फ

(संशोधन) बिल 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया गया था और विपक्ष की आपत्ति के बीच इसे जेपीसी को सौंपा गया था। कमेटी को अगले संसद सत्र के पहले हफ्ते में अपनी रिपोर्ट लोकसभा को सौंपनी है। मंगलवार को संसद में भाजपा के जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति रिटायर्ड जजों और वकीलों की एक टीम के विचार सुन रही थी। इसी दौरान विपक्षी सदस्यों ने सवाल किया कि विधेयक में उनकी क्या हिस्सेदारी है। कल्याण बनर्जी अपनी बारी से पहले बोलना चाहते थे। वे पहले ही तीन बार बोल चुके थे और फिर से मौका चाहते थे। लेकिन भाजपा सांसद ने इसका विरोध किया। इसके बाद दोनों के बीच

**वक्फ बिल पर जेपीसी मीटिंग में भिड़े भाजपा-टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी**

तीखी नोकझोंक हुई। दोनों ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। कल्याण के इस तरह से हस्तक्षेप करने पर जेपीसी सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय ने उन्हें टोका। इस पर कल्याण ने अचानक बोतल उठाई और पटक दी, जिससे कांच उनके ही हाथ में लग गया।

## अब इंडिगो-विस्तारा,एआई की 30 फ्लाइट्स में बम की धमकी

**नई दिल्ली। (वेबवार्ता)** 30 विमानों को एक बार फिर सोमवार देर रात बम से उड़ाने की धमकी

मिली है। न्यूज एजेंसी के सूत्रों के मुताबिक इनमें इंडिगो, विस्तारा और एयर इंडिया की डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स शामिल हैं। पिछले 8 दिन में 120 से यादा विमानों में बम हमले की धमकी मिल चुकी है। इंडिगो के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को उसकी चार उड़ानों को सुरक्षा संबंधी अलर्ट मिले। इनमें मंगलुरु से मुंबई आ रही 6ई164 फ्लाइट, अहमदाबाद से जेद्दा जा रही 6ई75 फ्लाइट, हैदराबाद से जेद्दा जा रही 6ई67 फ्लाइट और लखनऊ से पुणे आ रही 6ई 118 शामिल हैं। विस्तारा और एयर इंडिया के प्रवक्ताओं ने मंगलवार को पुष्टि की कि सोमवार को कुछ उड़ानों को सोशल मीडिया पर सुरक्षा संबंधी धमकी मिली थी। हमने संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी दी और सभी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया गया। सिविल एविएशन मंत्री राममोहन नायडू ने सोमवार को कहा था कि धमकियां भले ही फर्जी हैं, लेकिन हम इन्हें हल्के में नहीं ले सकते। हम इसके खिलाफ सख्त कानून लाएंगे।

# बहन से बेहतर प्रतिनिधि नहीं मिल सकता, वायनाड से प्रियंका गांधी के नामांकन करने से पहले बोले राहुल

**नई दिल्ली ।**

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करने से एक दिन पहले मंगलवार को कहा कि वह इस क्षेत्र के लिए अपनी बहन से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकते। प्रियंका गांधी वाद्रा बुधवार (23 अक्टूबर) को वायनाड संसदीय क्षेत्र से नामांकन दाखिल करेंगी और इस मौके पर पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और कई अन्य नेता मौजूद रहेंगे। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''वायनाड के लोग मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखते हैं और मैं उनके लिए अपनी बहन प्रियंका गांधी से बेहतर प्रतिनिधि की कल्पना नहीं कर सकता। मुझे विश्वास है कि वह वायनाड की जरूरतों की एक धुर समर्थक और संसद में एक शक्तिशाली आवाज साबित होंगी। उन्होंने कहा, ''कल, 23 अक्टूबर को हमारे साथ जुड़ें, जब वह

वायनाड लोकसभा क्षेत्र के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। आइए मिलकर यह सुनिश्चित करें कि प्रेम से वायनाड का प्रतिनिधित्व होता रहे।

वायनाड से निर्वाचित होने पर प्रियंका पहली बार किसी सदन की सदस्य बनेंगी। वह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले सक्रिय राजनीति में उतरी थीं। उसके बाद से वह पार्टी महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही हैं। लोकसभा चुनाव के कुछ दिनों बाद जून में कांग्रेस ने घोषणा की थी कि राहुल गांधी उत्तर प्रदेश में रायबरेली संसदीय क्षेत्र रखेंगे और केरल की वायनाड सीट खाली कर देंगे, जहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी चुनावी पारी की शुरुआत करेंगी। निर्वाचित होने पर प्रियंका गांधी पहली बार सांसद बनेंगी तथा यह भी पहली बार होगा कि गांधी परिवार के तीन सदस्य- सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका एक साथ संसद में होंगे। वायनाड संसदीय सीट और 47 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव 13 नवंबर को झारखंड विधानसभा के पहले चरण के मतदान के साथ होगा। मतगणना 23 नवंबर को होगी।

## दो दिसंबर से जेल भरो आंदोलन करेंगे माध्यमिक शिक्षक, पुरानी पेंशन सहित 18 मांगे रखीं

**लखनऊ ।** माध्यमिक शिक्षक संघ ने पुरानी पेंशन बहाली समेत 18 सूत्रीय मांगों को लेकर लखनऊ स्थित माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो 2 दिसंबर से जेल भरो आंदोलन करेंगे। संगठन के प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने बताया कि प्रदेश में शिक्षकों, कर्मचारियों व अधिकारियों को पुरानी पेंशन देने, राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) समाप्त करने, सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में नियुक्त तदर्थ शिक्षकों की सेवा स्थाई करने, पहले से कार्यरत शिक्षकों को कार्यरत रखते हुए वेतन देने, माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय नीति 2020 के अनुसार छात्र संख्या के अनुसार शिक्षकों के समायोजन आदि मांगों पर अभी तक कार्यवाही नहीं हुई है।

# सम्पादकीय

## कटाक्ष : राष्ट्रीय गैंगस्टर सलामत रहे हमारा

**हम** तो पहले ही कहते थे कि भारत-कनाडा वाले झगड़े की भी जड़ में जरूर कहीं न कहीं जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी वगैरह, परिवारवादियों की ही गलती निकलेगी। निकल आयी। कनाडा वाले क्या आरोप लगा रहे हैं, जरा ध्यान से सुनिए। कह रहे हैं कि उनके नागरिक, खालिस्तान समर्थक निजर की हत्या, भारत सरकार के आदेश पर करायी गयी। दिल्ली में बैठे शीर्ष अधिकारियों के आदेश पर, कनाडा में भारतीय उचायोग के उचाधिकारियों ने जासूसी करायी। बाद में निशाने पर लिए गए लोगों की रॉ के आदेश पर भाड़े के गिरोह से हत्याएं करायी गयीं। हत्या कराने का काम किया, लॉरेंस बिश्नोई नाम के भारतीय गैंगस्टर ने। वही गैंगेस्टर जिसने एकदम हाल में मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या करायी है और फिल्मी सितारे, सलमान खान की हत्या का नोटिस दे रखा है।  वही लॉरेंस बिश्नोई जिसने करीब दो साल पहले पंजाब में लोकप्रिय गायक, सिद्धू मूसेवाला की दिन-दहाड़े हत्या कर दी थी। बंदे की हत्याओं का जाल अमरीका-कनाडा तक फैला हुआ है। बंदे में दम है, योग्यता है! नेहरू जी, इंदिरा जी की गलती की बात यह है कि उन्होंने इस देश को उसका राष्ट्रीय झंडा दिया था। राष्ट्रीय झंडे पर राष्ट्रीय निशानी दी थी। राष्ट्रीय राजधानी दी। राष्ट गीत दिया। राष्ट्रीय रेडियो दिया, टीवी दिया। राष्ट्रीय पक्षी--मोर दिया। राष्ट्रीय पशु--शेर दिया। यानी सब कुछ दिया, एक  राष्ट्रीय गैंगस्टर और अयोध्या में मंदिर को छोड़कर। राष्ट्रीय  गैंगस्टर तो देना ही भूल गए। इसी का नतीजा है कि कनाडा वाले आज यह समझकर इतनी कांय-कांय कर रहे हैं कि भारत सरकार उनकी धरती पर, एक भाड़े के गैंगस्टर से हत्याएं करा रही है। अगर पहले ही भारत ने लॉरेंस बिश्नोई को राष्ट्रीय गैंगस्टर घोषित कर दिया होता, तो कनाडा वालों की हिम्मत ही नहीं होती, निजर की हत्या का बखेड़ा खड़ा करने की। आखिर, राष्ट्रीय गैंगस्टर है तो, राष्ट के हितों की रक्षा के लिए उसी तरह से काम करेगा ही, जैसे दूतावास या हाई कमीशन के बाकी अधिकारी करते हैं। राष्ट्रीय गैंगस्टर तो जो कुछ भी करता, राष्ट्रीय होता। कनाडा वालों की हिम्मत नहीं थी कि हमारे राष्ट्रीय गैंगस्टर के राष्ट्रीय कर्तव्यों के रास्ते में आते। बस गैंगस्टर के आगे 'भाड़े का' लगने से सब गुड़-गोबर हो गया। हत्याओं का प्राइवेटाइजेशन अमरीका-कनाडा वगैरह को भी मंजूर नहीं है, खासतौर पर तब जब हत्याएं वे खुद नहीं करा रहे हों बल्कि कोई और देश, उनके यहां करा रहा हो! वर्ना निजर वाले मामले में कनाडा वालों का तो दखल किसी भी तरह से बनता ही नहीं था। निजर आखिरकार था तो भारत का ही। उसके और उसके संगियों के खालिस्तान आंदोलन का अब हिंदुस्तान में कोई खास लेवा-देवा न सही, उनके आंदोलन के निशाने पर तो हिंदुस्तान ही है। निजर को आतंकवादी भी भारत ने ही घोषित किया था। अब कनाडा वालों की ही मानें तब भी, उसकी जासूसी करायी भारतीय उचायोग वालों ने। हत्या करायी, दिल्ली में सरकार में बैठने वालों ने। और तो और हत्या भी की तो, भारत वाले ने। यह तो सौ फीसद भारतीय मामला हुआ, इसमें कनाडा वाले कहां से आ गए। पर एक वही भाड़े की बंदूक! राष्ट्रीय गैंगस्टर होता, तो मामला सौ टका राष्ट्रीय हो जाता। फिर हम भी देखते कि कैसे कनाडा वाले इस मामले में हमारे राष्ट्रीय चाणक्य, अमित शाह और राष्ट्रीय जेम्स बांड, अजीत डोवाल का नाम घसीटते। उनका तो कोई दावा ही नहीं बनता, सिवाय इसके कि जिस कार में निजर को गोली मारी गयी, वह कनाडा की धरती पर खड़ी थी और अमरीका में पन्नू के संभावित हत्यारों को इस हत्या का जो वीडियो दिखाया गया, उसमें जो कार थी उसमें कनाडा के नागरिक की लाश पड़ी थी। अगर नेहरू जी ने लॉरेंस बिश्नोई को  राष्ट्रीय गैंगस्टर बनाने का रास्ता खोल दिया होता, तो कनाडा तो कनाडा, अमरीका में गुरपतवंत सिंह पन्नू की विफल हत्या की साजिश का झगड़ा भी नहीं उठा होता। विफल हत्या की साजिश,यानी खाया-पीया कुछ नहीं, गिलास तोड़ा पांच रुपया! कम से कम बिश्नोई का काम तो पक्का था। निजर का कंटा काटा तो काट ही दिया। अमरीका में पन्नू के मामले में वही हो सकता था। पर वहां लॉरेंस जो नहीं था। नतीजा सब गुड़ गोबर। जासूसी कराने तक तो सब ठीक-ठाक था। लेकिन, उसके बाद अमरीकियों के हिसाब से रॉ के अधिकारी, विकास यादव ने सुपारी देने का जिम्मा जिन गुप्ता जी को सोंपा, उन्होंने हत्या की सुपारी जिसे दी, वह अमरीकी खुफिया एजेंसी का खबरी निकला। बस हो गया कबाड़ा--खाया-पीया कुछ नहीं, गिलास...। काश विकास ने किसी बाहरी आदमी को सुपारी देने के बजाए, यह काम भारत के राष्ट्रीय गैंगस्टर को रैफर कर दिया होता, तो कम से कम अमरीकियों को कनाडा वालों का यूं साथ नहीं देना पड़ रहा होता। अपने जेम्स बांड ने सुपारी की जरा सी आउटसोर्सिंग करने की कोशिश की, और नतीजा सब के सामने है। सच पूछिए तो अमरीकियों की मेहरबानी है कि कनाडा वालों के बरखिलाफ उन्होंने न तो अमित शाह का नाम लिया है और देसी जेम्स बांड का। वो फिलहाल विकास यादव की गर्दन पाकर ही संतुष्ट नजर आते हैं, जिसकी बलि चढ़ाने के लिए भारत भी तैयार नजर आता है। आखिरकार, दोस्ती भी तो कोई चीज है। पुन अमरीका का प्रकरण दिखाता है कि भारत जैसे महाशक्ति बनते देश के पास, अपना एक राष्ट्रीय गैंगस्टर होना कितना जरूरी है। और यह तो कहने की कोई जरूरत ही नहीं है कि लॉरेंस बिश्नोई में राष्ट्रीय गैंगस्टर बनने की सभी जरूरी योग्यताएं हैं। न हो तो सोशल मीडिया पर देख लो। बाबा सिद्दीकी को टपकाने के बाद से, लॉरेंस बिश्नोई छाया हुआ है। क्यों न हो, आखिर साबरमती जेल से जो बंदा दुनिया भर में अपना नेटवर्क चला सकता है और सरकारी संरक्षण से लेकर मीडिया कवरेज तक, सब कुछ पेशेवराना तरीका से साध सकता है और सबसे बड़ी बात, जो गैंगस्टर होकर भी हिंदू-हिंदू कर सकता है और मौसम तथा मौका देखकर सलमान खान को बिश्नोइयों द्वारा आरक्षित काला हिरण मारने की सजा देने की धमकियां दे सकता है, उसमें कोई बात तो होगी; आला दर्जे की प्रबंधन कुशलता तो होगी। हिंदू दाऊद है भाई बल्कि हिंदू दाऊद से बढ़कर। और क्या चाहिए, राष्ट्रीय गैंगस्टर बनने के लिए ।

# अनैतिक और आधी अधूरी दुनिया का हास्यास्पद हश्र

**हिंसक,** अनैतिक और आधी अधूरी दुनिया में इसी तरह का शर्मनाक और हास्यास्पद नाटक चलेगा जैसा कि इस वक्त भारत, अमेरिका और कनाडा के बीच एक आतंकवादी की हत्या, दूसरे की हत्या के प्रयास और उसमें भारत के उच अधिकारियों और एक आपराधिक गैंग की संलिप्तता को लेकर हो रहा है। वैश्विक संबंधों की गरिमा, मर्यादा और नैतिकता के लिहाज से देखें तो आंखें फटी की फटी रह जाती हैं कि हमारी सरकारें क्या क्या करती हैं और तब जाकर हमें सुरक्षा का अहसास होता है और हमारा राष्टवादी अहम गर्व से ऊंचा हो सकता है। टेक्नोलॉजी और पूंजी के माध्यम से हमने बीसवीं सदी से ही वैश्विक गांव का निर्माण शुरू कर दिया था। लेकिन इन घटनाओं की पर्तें जैसे जैसे खुल रही हैं वैसे वैसे अहसास हो रहा है कि हमने तो ऐसा वैश्विक गांव बना डाला जिसमें अलग अलग टोले के मुखियाअनैतिकता के पर्याय हैं और वे जो काम खुले आम नहीं कर पाते उसे अपराधियों से करवाते हैं।दरअसल हमने पूंजी और हथियारों की दुनिया बनाई है जिसका काम लूट और हत्याएं करना है न कि अछे राष्ट्रीय और वैश्विक नागरिक बनाना है। इसलिए अभी दुनिया बन ही नहीं पाई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अमेरिका और कनाडा ने पंजाब के खालिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देकर अस्सी और नब्बे के दशक में भारत को बहुत क्षति पहुंचाई है। अगर भारत सशक्त नहीं रहता तो उसका एक हिस्सा अलग हो गया होता। इस मामले में विकसित देशों की नीति दोगली रही है। उनके राष्ट्रीय हितों की पहुंच पूरी दुनिया में है और वे इसके आधार पर किसी भी देश पर कहीं भी कोई कार्रवाई कर डालते हैं।जबकि विकासशील देशों के राष्ट्रीय हित उनके अपने देश में भी संरक्षित नहीं है। लेकिन अस्सी और नब्बे के दशक की स्थितियों को अगर बीती हुई बात मान लें तो आज भारत का पंजाब खालिस्तानी आंदोलन और आतंकवाद से मुक्त है। फिर उस मामले को लेकर सरकार ने इतना नीचे गिरकर क्यों किसी अपराधी की कथित हत्या से इतना विवाद पैदा करवाया क्यों वैश्विक मंच पर अपनी इतनी भद्द करवाई इस सवाल का उत्तर कठिन नहीं है। अगर हम सरकार के तमाम अधिकारियों और पूर्व अधिकारियों के बयान और इंटरव्यू देखें तो उनमें दो तीन बातें मिलती हैं। एक बात तो कनाडा और अमेरिका के आरोपों को झूठा, प्रमाणविहीन और राजनीति प्रेरित बताने वाली होती हैं। हालांकि अब भारत अमेरिका के साथ जांच में सहयोग करता हुआ दिख रहा है जबकि कनाडा के मामले को मनगढ़ंत बता रहा है। जबकि कनाडा का कहना है कि दोनों मामले एक ही हैं। दूसरी बात यह होती है कि अमेरिका जो ओसामा बिन लादेन जैसे आतंकी को मारने के लिए पाकिस्तान के भीतर घुस सकता है और उसका सहयोगी देश इजराइल हमास और हिजबुल्लाह के आतंकियों को मारने के लिए सीरिया, लेबनान और ईरान पर बमबारी कर सकता है तो उन्हें भारत पर आरोप लगाने का क्या हक बनता है इस दलील का परोक्ष रूप से यही कहना है कि अगर वे दूसरे देश में अपने देश के अपराधी को घुस कर मार सकते हैं तो हम क्यों नहीं मार सकते। तीसरा तर्क यह है किदरअसल भारत ने न तो युक्रेन के मामले में और न ही इजराइल के मामले में पश्चिमी देशों का खुलकर साथ दिया। इसलिए यह भारत सरकार पर दबाव डालने के लिए एक साजिश रची गई है। यह तीनों तर्क किसी ऐसे देश या व्यक्ति की ओर से दिए जाते हैं जिसमें या तो साहस की कमी है या सचाई की कमी है या फिर नैतिकता की कमी है। इसके अलावा किसी ऐसे व्यक्ति या देश द्वारा दिए जाते हैं जो अपने को किसी और शक्तिशाली देश की नकल करते हुए उसकी क्षत्र छाया में बड़ा होना चाहता है। यह उस देश के अधिकारियों का बयान नहीं है जो अपने किए को स्वीकार करने का साहस रखते हैं। वास्तव में अमेरिका और उसके खेमे के अन्य युरोपीय देश अपने देश के बाहर एक क्रूर और हिंसक नीतियां चलाने में विश्वास करते हैं। यह वही नीति है जो औपनिवेशिक काल के दौरान ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस, हालैंड, पुर्तगाल जैसे देश चलाया करते थे। इन नीतियों का हश्र दो विश्व युद्धों के रूप में हुआ और उम्मीद थी कि दूसरे विश्व युद्ध में हिटलर और मुसोलिनी की मौत के बाद अब दुनिया में वैसे तानाशाहों की पुनरावृत्ति नहीं होगी। उसी सोच के साथ एक नई विश्वव्यवस्था के निर्माण के लिए संयुक्त राष्ट का गठन हुआ। जिसमें राष्टों को आत्मरक्षा का अधिकार तो दिया गया लेकिन यह सीमा भी निर्धारित कर दी गई कि वे किस हद तक कार्रवाई कर सकते हैं। लेकिन राष्ट राय नामक संस्थाओं ने न तो आत्मरक्षा की सीमा मानी और न ही मानवाधिकारों का आदर किया। इस नाते आज दुनिया में दर्जनों हिटलर तैयार हो गए हैं। इस बीच फ्रांसिस फुकुयामा जैसे विद्वानों ने एंड आफ हिस्ट्री' जैसी अवधारणाओं के माध्यम से पूरी दुनिया में लोकतांत्रिक मूल्यों के मजबूत होने की जो संभावना जताई थी वह भी धराशायी हो गई। अगर पूर्वी युरोप में कुछ देशों में लोकतंत्र बहाल हुआ और एशिया और अफ्रीका के कुछ और देश रंगभेद और दूसरे किस्म की तानाशाहियों से आजाद हुए तो नए किस्म के तानाशाही शासकों ने तथाकथित सभ्य देशों को जकड़ लिया। जब अमेरिका और हंगरी जैसे देश में डोनाल्ड ट्रंप और विक्टर ओरबन जैसे तानाशाह उभर सकते हैं तो अफ्रीका और एशिया के देशों का तो इस तरह हक' ही बनता है।यानी शीत युद्ध की समाप्ति के बाद लोकतंत्र और उदारता के जिस तरह के वैश्विक प्रसार की आशा थी वह पूरी नहीं हुई। उल्टे दुनिया और भी यादा नस्लवादी, सांप्रदायिक और जातिवादी होती गई। इन विचारों ने राष्टवाद के नए रूप के साथ न्याय और भाई चारे पर आधारित वैश्विक लोकतंत्र का मार्ग अवरुद्ध कर दिया। अमेरिका औरयुरोप के कथित सभ्य देशों के बारे में इतना ही कहा जा सकता है कि वे अपने नागरिकों के अधिकारों का तो अधिकतम सम्मान करते हैं लेकिन जो लोग उनके देश के नागरिक नहीं हैं उन्हें वे कीड़े मकोड़ों से थोड़ा ही ऊपर मानते हैं। वे उनका इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय राजनय में मानवाधिकार के बहाने करते हैं, कभी कभी उन्हें भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी मामलों में राहत भी पहुंचाते रहते हैं लेकिन वे उन्हें अपने नागरिकों के बराबर नहीं मानते।शरणार्थी समस्या पर उन देशों का रुख देखकर नहीं लगता कि कहीं से भी समतामूलक और भाईचारे पर आधारित दुनिया या विश्व का निर्माण हो रहा है। डैरोन एसीमोगलू और जेम्स एक रोबिनसन जैसे नोबल विजेता अर्थशास्त्री( और व्हाई नेशन्स फेल के लेखक) भले ही पिछड़ेपन और असमानता के लिए विकासशील देशों की संस्थाओं को दोषी ठहराएंलेकिन इसके पीछे विकसित और अमीर देशों की संस्थाओं की अनैतिकता और हिंसक प्रवृत्तियां कम जिम्मेदार नहीं हैं। विकसित देश न तो कोविड-19 के समय अपने व्यावसायिक हितों से समझौता करने को तैयार थे और न ही उसके आगे पीछे जलवायु रक्षण के लिए हुए पेरिस समझौते को मानने के लिए। उनके लिए डब्ल्यूएचओ और डब्ल्यूटीओ के बीच दूसरे वाले के उद्देश्य को साधना जरूरी था। यानी वे एक आधी अधूरी और पाखंडी अंतरराष्ट्रीयता का ध्वज लहराते रहते हैं और जब इजराइल गाजा पट्टी के साथ संयुक्त राष्ट के ठिकानों पर हमला करता है तो मौन साधे रहते हैं। लेकिन अमेरिका और युरोप जैसा बनने की होड़ में भारत ने अपनी स्थिति हास्यास्पद करा ली है। आज तक भारत के गृहमंत्री पर इस हद तक नीचे उतर कर किसी आपराधिक गिरोह से हत्याएं कराने का ऐसा आरोप तो नहीं लगा था। इसका मतलब यह नहीं कि भारत से अतीत में ऐसा कुछ हुआ नहीं है क्योंकि पाकिस्तान तो ऐसे आरोप लगाता रहा है। भारत ने पाकिस्ताम में सर्जिकल स्ट्राइक करने या घुसकर मारने का प्रचार तो किया ही।

ऐसे आरोप नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका के गैर सरकारी सूत्रों की ओर से भी लगे हैं।लेकिन पाकिस्तान के एक बदमाश और आतंकवाद का निर्यात करने वाला राय होने के कारण उसके आरोपों में वह गंभीरता नहीं रहती थी जैसी कि कनाडा और अमेरिका की शक्तिशाली सरकारों के आरोपों में दिखाई पड़ रही है।  भारत जैसे राष्ट राय की दिक्कत यह हुई है कि वह स्वाधीनता आंदोलन में महात्मा गांधी द्वारा दिए गए एक नैतिक और अहिंसक विश्व के सभी सुझावों को कूड़ेदान में फेंक चुका है। उसका राष्ट राय और उस पर काबिज नेता अपने अहंकार के चलते कोई भी नेक और नैतिक सुझाव सुनने को तैयार नहीं हैं। हालांकि वे उसका दिखावा जरूर करते हैं। वे न तो विदेश नीति के गंभीर मामलों में विपक्ष को विश्वास में लेते हैं और न ही संसद को। जबकि इंदिरा गांधी जैसी राजनेता ने बांग्लादेश के निर्माण और पाकिस्तान से युद्ध छिड़ने से पहले जयप्रकाश नारायण जैसे सर्वोदयी नेता को पूरी दुनिया में भारत का पक्ष रखने के लिए भेजा था। भारत की दूसरी दिक्कत यह है कि उसके राष्ट राय पर जो लोग हावी हैं और वे देश और दुनिया के भीतर जिस तरह के संबंधों का निर्माण कर रहे हैं वह गड़बड़ है। उनकी नीति कहने के लिए राष्ट्रीय हित के आधार पर बताई जाती है लेकिन हकीकत में अनैतिकता, नफरत और हिंसा के गारे को लेकर निर्मित हो रही है।हमारे राष्ट्रीय स्तर के नेता सोचते हैं कि उन्होंने जिस तरह से गुजरात में मुठभेड़ें करवाई और आजकल उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जैसी मुठभेड़ें करवा रहे हैं वैसी ही मुठभेड़ें वे कनाडा और अमेरिका में करवा सकते हैं।उन्होंने पश्चिमी देशों से आक्रामकता तो सीखी लेकिन यह नहीं सीखा कि अपने देश में नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करना चाहिए और संस्थाओं को स्वायत्तता देनी चाहिए। भारतीय नेतृत्व यह समझता है कि जिस तरह हमारे देश में सब कुछ राजनीतिक तरीके से नियंत्रित हो जाता है वैसा ही अमेरिका और कनाडा में भी होता होगा।

लेकिन वहां की स्थितियां वैसी नहीं हैं। वहां की पुलिस और जांच एजेंसियों के पास एक तरह की स्वायत्तता है और वे अपनी संसद के प्रति जवाबदेह भी हैं। वहां के राजनेता साफ साफ झूठ बोलकर बच नहीं सकते। जबकि भारत की लोकतांत्रिक संस्थाओं के बारे में जो आकलन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए जा रहे हैं वे पश्चिम के लोकतंत्र के मानकों पर खरे नहीं उतरते। यहां की कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया जितना अल्पसंख्यक विरोधी, बहुसंख्यकवादी हो चुका है और उसी को राष्टवाद समझता है उसे भारत समेत पूरी दुनिया के लोग भी महसूस कर रहे हैं।ऐसे में जब कोई आरोप बाहर से लगता है और सरकार कुछ साफ जवाब नहीं देती तो जनता के मन में अपनी सरकार पर संदेह गहराता है। हिंसा, नफ़रत, अनैतिकता और विनाश की प्रेरणा पर आधारित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और हथियारों के प्रति समय समय पर मानवता को आगाह करने वाले लोग आए हैं। कभी कभी उनकी चर्चा भी होती थी और देश से लेकर विश्व से स्तर पर उन बातों को उठाने वाले लोग भी सक्रिय थे। लेकिन अब उनकी ओर न तो राजनेता ध्यान दे रहे हैं और न ही बौद्धिक और संचारक। आज हमने जिस तरह की दुनिया का निर्माण कर दिया है उसमें एक बार फिर से रवींद्रनाथ टैगार की उन बातों को दोहराना प्रासंगिक होगा जो उन्होंने अपनी मृत्यु से पहले 1941 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सभ्यता के संकट' नामक निबंध में व्यक्त किया था:----- बर्बरता के दैत्य ने सारे आवरण उतार फेंके हैं और अपने नंगे विषदंतों सहित आ खड़ी हुई है। वह मानवता को बर्बादी के नंगे नाच में ले जाकर चीथ देना चाहती है। दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक घृणा के विषाक्त धुएं ने वातावरण को काला कर दिया है। हिंसा की भावना जो अब तक पश्चिम देशों के मस्तिष्क में सोई पड़ी थी वह अब जाग उठी है एवं मनुष्य की मूल भावना को अपवित्र कर रही है। मुझे एक बारगी ऐसा विश्वास था कि सभ्यता का सोता युरोप से फूटेगा। लेकिन जब मैं दुनिया छोड़ने वाला था तो यह विश्वास लगभग दिवालिया होने के कगार पर है। जब मैं चारों ओर देखता हूं तो मैं गौरवशाली सभ्यताओं के टूटे हुए अवशेष पाता हूं। लगता है वे जैसे निरर्थक ढेर हों। फिर भी मैं मनुष्य में विश्वास न करने का पाप नहीं करूंगा।''

राष्टवाद और राष्ट-राय की कमियों का गहरा अहसास टैगोर को था। तभी उन्होंने कहा था:----

देशभक्ति मेरा आखिरी आध्यात्मिक सहारा कभी नहीं बन सकती, मेरा आश्रय मानवता है। मैं हीरे के दाम में ग्लास नहीं खरीदूंगा। जब तक मैं जिंदा हूं मानवता के ऊपर देशभक्ति की जीत नहीं होने दूंगा।'

राष्टवाद के खतरनाक पहलू पर टैगोर की यह कविता भी ध्यान देने लायक है:---

सदी का सूर्यास्त
सदी का आखिरी सूरज
पश्चिम के रक्त-लाल बादलों और नफ़रत के बवंडर के बीच डूब रहा है
राष्टों के नग्न प्रेम का जुनून, लालच के नशे में चूर इस्पात की टक्कर और प्रतिशोध की चीखती हुई कविताओं पर नाच रहा है
राष्ट की भूखी आत्मा अपने ही बेशर्मी भरे भोजन से क्रोध की हिंसा में फट जाएगी
क्योंकि उसने संसार को अपना भोजन बना लिया है और उसे चाटते हुए, कुतरते हुए और बड़े बड़े निवालों में निगलते हुए
यह फूलता ही रहता है
जब तक कि उसके अपवित्र उत्सव के बीच में अचानक स्वर्ग का बाण
उसके स्थूल हृदय को छेदता हुआ जाता है
भारत पर नजर रखो
उस पवित्र सूर्योदय के लिए अपनी पूजा की भेंटें लेकर आइए
इसके स्वायत्त का पहला भजन
अपनी आवाज में बजाएं और गाएं
आओ शांति,हे ईश्वर की महान पीड़ा की पुत्री
अपने संतोष के खजाने
धैर्य की तलवार के साथ आओ
और नम्रता तेरे माथे पर मुकुट होगी

लेकिन टैगोर ने जिस भारत और पूरब में शांति के सूर्योदय की उम्मीद की थी वह तो पश्चिम जैसा निकला। फरीद जकरिया ने पूरब के जिस आर्थिक उदय को राइज आफ द रेस्ट' कहा था वह तो विश्व व्यवस्था को कहीं से भी सुधारने लायक पहल करता हुआ दिख ही नहीं रहा है। वह या तो फिर अमेरिका और युरोप का प्यादा बन बैठा है या फिर उनके प्रतिरोध का एक ध्रुव। उसके मूल्य न तो परमाणु बम के बारे में भिन्न हैं और न ही हिंसा के बारे में। उनके राष्ट-राय का अहंकार भी वैसा ही है जैसा युरोपीय देशों का। आज इस बात की बहुत चर्चा की जाती है कि भारत सरकार युरोपीय विचारों और सिद्धांतों की बजाय भारतीय विचारों और सिद्धांतों का तवजो दे रही है। लेकिन कनाडा और अमेरिका से हुए ताजा विवाद से लगता है कि वह तो वही कर रही है जो अमेरिका और उसके सहयोगी देश करते रहते रहते हैं। भारत न तो आंबेडकर का ध्यान रखते हुए बुद्ध के विचारों को अपनाने का प्रयास कर रहा है और न ही गांधी की नैतिकता को समझने की कोशिश कर रहा है। यही वजह है कि कथित सभ्य राष्टों के बीच वह भी बादशाह वाला पारदर्शी वस्त्र पहनकर खड़ा है। महात्मा गांधी ने 2 अप्रैल 1947 को दिल्ली में हुए अंतर एशियाई संबंध सम्मेलन में पश्चिम की तुलना में एशिया से उम्मीद जताई थी।

स्वामी, प्रकाशक वं मुद्रक विजय कुमार ने अशोक सम्राट प्रिन्टर्स, 215, पीरागढ़ी गांव, दिल्ली-87 से मुद्रित कर बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-110086 प्रकाशित किया। सम्पादक : विजय कुमार। (RNI No. 70098/99) इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी हैं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगें। **Phone : 9810674206**

# सलमान खान के फैंस के लिए खुशखबरी, सिंघम अगेन में होगा चुलबुल पांडे का कैमियो

**बॉलीवुड** स्टार अजय देवगन और डायरेक्टर रोहित शेट्टी दिवाली पर अपनी फिल्म 'सिंघम अगेन' लेकर आ रहे हैं. पिछले कुछ दिनों से इस मोस्ट अवेटेड फिल्म में सलमान खान के कैमियो को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं. कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि भाईजान फिल्म में नजर आएंगे. वहीं, फिर खबरें आई कि सलमान खान 'सिंघम अगेन' का हिस्सा नहीं हैं. लेकिन अब कंफर्म हो गया है कि अजय देवगन की फिल्म में सलमान खान का कैमियो धमाकेदार होने वाला है. 'सिंघम अगेन' के मेकर्स ने कंफर्म कर दिया है कि फिल्म में सलमान खान का कैमियो होगा और उन्होंने अजय देवगन के साथ शूटिंग भी शुरू कर दी है. 'सिंघम अगेन' में सलमान खान 'दबंग' फ्रेंचाइजी वाले चुलबुल पांडे के किरदार में नजर आएंगे. रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में बाजीराव सिंघम के साथ चुलबुल पांडे की केमिस्ट्री देखते ही बनेगी और दोनों साथ में खलनायकों को ठिकाने लगाते हुए नजर आएंगे. रोहित शेट्टी की 'सिंघम अगेन' में अजय देवगन, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर के साथ सलमान खान का जुड़ना निश्चित तौर पर कहानी को एक शानदार मोड़ देने के लिए तैयार है. बाजीराव सिंघम और चुलबुल पांडे को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए लोग बेहद उत्साहित हैं. चुलबुल पांडे बॉलीवुड का एक लोकप्रिय किरदार है. सलमान खान पहली बार 'दबंग' (2010) में नजर आए थे, जिसका निर्देशन अनुराग कश्यप के भाई अभिनव कश्यप ने किया था. 'दबंग' की जबरदस्त सफलता के बाद सलमान खान 'दबंग 2' और 'दबंग 3' में चुलबुल पांडे की भूमिका में नजर आए थे.

इन तीनों फिल्मों में सलमान खान की भूमिका को फैंस ने बहुत पसंद किया. बताते चलें कि अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' दिवाली के मौके पर 1 नवंबर को रिलीज के लिए तैयार है.

यह बॉक्स ऑफिस पर कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' से क्लैश होगी. विद्या बालन, तृप्ति डिमरी और विद्या बालन भी इस

# शादी के नौ साल बाद टीवी की 'मधुबाला' के घर गूंजी किलकारी, बेटी को दिया जन्म

टीवी की मशहूर अभिनेत्री दृष्टि धामी के घर किलकारी गूंजी है। मधुबाला फेम दृष्टि धामी ने एक बची को जन्म दिया है। मंगलवार 22 अक्टूबर को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने प्रशंसकों के साथ उन्होंने खुशखबरी साझा की है। दृष्टि ने एक प्यारा सा वीडियो साझा किया जिसमें एक हाथी का बचा है। वीडियो में लिखा है, 'सीधे स्वर्ग से हमारे दिलों में... एक बिल्कुल नया जीवन, एक बिल्कुल नई शुरुआत। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'वह 22.10.2024 को यहां है। वीडियो के अंत में दृष्टि और नीरज का नाम लिखा है। इंस्टाग्राम पर खुशखबरी साझा करते ही मशहूर हस्तियों ने नए माता-पिता के लिए बधाई देना शुरू कर दिया। अभिनेता रुसलान मुमताज ने लिखा, ओएमजी बधाई। दूसरी ओर, अभिनेत्री पूजा गौर ने टिप्पणी की, बधाई हो, आप सभी को बहुत सारा प्यार। रुबीना दिलैक, मौनी रॉय और सुनयना फौजदार जैसी अन्य हस्तियों ने भी जोड़े को बधाई दी। जून 2024 में दृष्टि ने शादी के नौ साल बाद गर्भावस्था की घोषणा की थी। अभिनेत्री वर्ष 2015 में बिजनेसमैन नीरज खेमका के साथ शादी के बंधन में बंधी थी। दृष्टि और नीरज टीवी की दुनिया के सबसे पसंदीदा जोड़ों में से एक हैं। पांच साल से यादा समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद, दोनों ने फरवरी 2015 में एक पारंपरिक हिंदू समारोह में शादी की थी। अभिनेत्री दृष्टि धामी 'मधुबाला - एक इश्क एक जुनून', 'दिल मिल गए', 'गीत - हुई सबसे परायी', 'सिलसिला बदलते रिश्तों का' और 'परदेस में है मेरा दिल' जैसे टीवी शो का हिस्सा रह चुकी हैं। अभिनेत्री 'द एम्पायर' और 'डुरंगा'

# मैं हूं असली सिंघम..., अजय देवगन को टक्कर देने वाली एक्ट्रेस, 50 की उम्र में भी हैं मेकर्स की पहली पसंद

काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'दो पत्ती' को लेकर चर्चा में हैं. अपनी इस फिल्म का प्रमोशन भी एक्ट्रेस जमकर कर रही हैं. प्रमोशन के दौरान ही एक्ट्रेस ने अपने पति अजय देवगन को कड़ी टक्कर देते हुए कहा है कि मैं अली सिंघम हूं काजोल की फिल्में आए या ना आए, लेकिन वह अक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं. बीते कुछ समय से तो सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस की कई वीडियो और फोटो वायरल हो रहे हैं. हाल ही में उन्होंने अपनी एक ऐसी फोटो शेयर की है, जो खूब वायरल हो रही है. फिल्म जगत पर राज करने वालीं टॉप एक्ट्रेस काजोल सोशल मीडिया पर अक्सर छाई रहती हैं. इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'दो पत्ती' के प्रमोशन के लिए जयपुर में हैं. यहां वह कढ़ाईदार पैंटसूट में बेहद ही खूबसूरत नजर आ रही हैं. काजोल ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की. पहली दो तस्वीरों में अभिनेत्री बिस्तर पर लेटी हुई थीं और उन्होंने आइवरी शेडेड फ्लोरल पैंटसूट पहना हुआ था. उन्होंने पोनीटेल और रेट्रो सनग्लासेस के साथ अपने लुक को पूरा किया. एक और फोटो में एक्ट्रेस लिली के फूलों को थामे मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैंय आखिरी फोटो में वह होटल के कमरे की खिड़की के सामने पोज देती नजर आ रही हैं. काजोल के फैंस उनकी हर पोस्ट पर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. सामने आई फोटो में उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'रूम सर्विस प्लीज. इसे उन?होंने 'दोपत्ती', 'जयपुरडायरीज' और 'थिंग ऑफ ब्यूटी' जैसे हैशटैग के साथ टैग किया. इस महीने की शुरुआत में, दो पत्ती के ट्रेलर लॉन्च के दौरान, काजोल ने बताया कि असली सिंघम कौन है. जब उनसे पूछा गया कि असली सिंघम कौन है, तो काजोल ने मजाकिया अंदाज में खुद की ओर इशारा किया. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और यहां तक कि कृति सेनन भी इस पर हंसती हुई नजर आई. मैंने ये बहुत बार कहा है कि असली सिंघम मैं हूं.' बता दें कि इस इवेंट में काजोल के साथ कृति , शहीर शेख और लेखक-निर्माता कनिका ढिल्लों समेत अन्य कई एक्टर्स भी मौजूद थे. उन्होंने यह भी शेयर किया कि उन्होंने 'दो पत्ती' में पुलिस वाले की भूमिका निभाते समय अपने अभिनेता पति अजय देवगन से कभी कोई टिप्स नहीं मांगी है.

# विक्की विद्या की उम्मीदों ने तोड़ा दम, 12वें दिन दर्शक जुटाने में विफल रही फिल्म

राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो सिनेमाघरों में लगी हुई है। बॉक्स ऑफिस पर इसकी भिड़ंत आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत फिल्म जिगरा से है। दोनों फिल्मों ने 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म की रिलीज को आज 12 दिन पूरे हो गए हैं। वहीं, कमाई के आंकड़ों को देखकर साफ हो रहा है कि फिल्म दर्शकों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। आइए विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के 12वें दिन के कलेक्शन पर गौर फरमा लेते हैं- 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का निर्देशन राज शांडिल्य ने किया है। राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी अभिनीत यह फिल्म पहले हफ्ते में ही धड़ाम हो गई। बॉक्स ऑफिस पर रेंगते हुए आखिरकार फिल्म ने 10वें दिन अपना बजट निकाल लिया। वहीं, वीकडेज में इसकी हालत और यादा खराब है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर 5.5 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म को दूसरे दिन वीकएंड का फायदा मिला और इसने 6.9 करोड़ रुपये की कमाई की, लेकिन रविवार को फिल्म की कमाई में गिरावट देखने को मिली थी। तीसरे दिन फिल्म ने 6.4 करोड़ रुपये की कमाई की थी। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो ने चौथे दिन महज 2.4 करोड़ रुपये की कमाई की थी। फिल्म ने पांचवें दिन 2.1 करोड़ रुपये की कमाई की थी। छठे दिन इसका कारोबार 1.9 करोड़ रुपये रहा था। सातवें दिन फिल्म ने गिरावट के साथ 1.8 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कुल कलेक्शन 27 करोड़ रुपये हो गया था। फिल्म ने आठवें दिन 1.4 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म ने नौवें दिन मामूली उछाल के साथ 2.25 करोड़ रुपये की कमाई की थी। 10वें दिन फिल्म की कमाई 2.6 करोड़ रुपये रही। 11वें दिन (सोमवार को) फिल्म का कलेक्शन 1.15 करोड़ रुपये रहा। वहीं, 12वें दिन इसकी कमाई महज 83 लाख रुपये रही है। इस तरह विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का अब तक का कुल कारोबार 35.23 करोड़ रुपये ही हो पाया है। यह कॉमेडी-ड्रामा टी-सीरीज फिल्म्स, बालाजी मोशन पिक्चर्स, वकाउ फिल्म्स और कथावचक फिल्म्स द्वारा निर्मित है। फिल्म को राज शांडिल्य ने लिखा और निर्देशित किया है और संगीत सचिन और जिगर ने दिया है।

# आयरन मेडेन के पूर्व प्रमुख गायक पॉल डिएनो का निधन, 66 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

आयरन मेडेन के पूर्व प्रमुख गायक पॉल डिएनो का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। गायक के निधन की पुष्टि उनके परिवार की तरफ से जारी एक बयान में की गई है। बयान के अनुसार, डिएनो ने इंग्लैंड के सैलिसबरी स्थित अपने घर पर आखिरी सांस लेकर दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। गायक के निधन की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। बयान में कहा गया है, उनके परिवार की ओर से, कॉन्क्रेस्ट म्यूजिक को पॉल एंड्रयूज के निधन की पुष्टि करते हुए दुख हो रहा है, जिन्हें पेशेवर रूप से पॉल डिएनो के नाम से जाना जाता था। पॉल का 66 वर्ष की आयु में सैलिसबरी में उनके घर पर निधन हो गया। 17 मई 1958 को पूर्वी लंदन के चिंगफोर्ड में जन्मे पॉल ने 1978 और 1981 के बीच अंग्रेजी हेवी मेटल बैंड आयरन मेडेन के मुख्य गायक के रूप में प्रसिद्धि हासिल की थी। बैंड के शुरुआती वर्षों के दौरान डिएनो ने आयरन मेडेन के फ्रंटमैन के रूप में एक स्थायी प्रभाव डाला था। विभिन्न गायकों और संगीतकारों के साथ बैंड की लाइन-अप में कई बदलावों का अनुभव करने के बाद, वह 1978 में आयरन मेडेन में शामिल हो गए। अल्टीमेट क्लासिक रॉक के अनुसार, बैंड के भीतर मनमुटाव और रद्द किए गए कार्यक्रम के कारण 1981 में डिएनो को बैंड छोड़ना पड़ा। उनकी जगह ब्रूस डिकिंसन ने ले ली, जो आगे चलकर आयरन मेडेन के प्रतिष्ठित फ्रंटमैन बन गए।

# बढ़ते प्रदूषण को लेकर एक्शन में दिल्ली सरकार, विभिन्न विभागों के साथ बैठक में लिए कई बड़े फैसले

**नई दिल्ली।** दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार के कदमों की जानकारी दीं। विभिन्न विभागों के साथ बैठक के बाद राय ने कहा कि दिल्ली में मौसम में बदलाव के साथ प्रदूषण में बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह बढ़ोतरी केवल दिल्ली में नहीं पूरे उत्तर भारत में है। एक्यूआई 300 से ऊपर पहुंचने पर ग्रेप दो लगाया गया है। गोपाल राय ने बताया कि आज बैठक में फैसला लिया गया है कि 6200 अतिरिक्त कर्मचारी एमसीडी के सफाई कार्य के लिए लगाए जाएंगे। सड़कों पर पानी को छिड़काव बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदूषण के हॉट स्पॉट में धूल को समाप्त करने के लिए पानी का छिड़काव 25 अक्टूबर से बढ़ाया जाएगा। निजी पार्किंग शुल्क बढ़ाया जाएगा, जिससे कि निजी वाहन कम आएं। मेट्रो के ट्रिप बढ़ाए जाएंगे। डीटीसी की बसें बस स्टॉप पर 15 मिनट में आने का समय किया जाएगा। सरकारी विभागों के हों या प्राइवेट कर्मचारी हों, सभी अपने कर्मचारियों को रात्रि ड्यूटी के लिए हीटर उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने बताया कि यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त यातायात पुलिस कर्मी लगाए जाएंगे। दिल्ली सरकार हरियाणा और उत्तर प्रदेश आदि सरकारों को पत्र लिख रही हैं कि दिल्ली में अभी डीजल बसें ना भेजें। यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त यातायात कर्मचारी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए चार स्तर स्थापित किए हैं। वर्तमान में, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 से ऊपर है, जिसके कारण ग्रेप चरण II को लागू किया गया है। मंत्री ने कहा कि एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें आवश्यक प्रतिबंधों को लागू

करने के लिए उपाय तैयार किए गए थे। उन्होंने कहा, पानी का छिड़काव बढ़ाया जाएगा। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) इस उद्देश्य के लिए 6,200 कर्मचारियों को तैनात करेगा। हमने प्रदूषण वाले हॉटस्पॉट पर पानी का छिड़काव बढ़ाने का निर्देश दिया है। एमसीडी को 25 अक्टूबर से इसे शुरू करने का निर्देश दिया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता के बिगड़ते स्तर के बीच ग्रेप के दूसरे चरण को लागू किया, जिसमें कोयले और जलाऊ लकड़ी के साथ-साथ डीजल जनरेटर सेट के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया। प्रतिबंध मंगलवार सुबह 8 बजे से लागू हो गया। दिल्ली और एनसीआर में अब जल्द ही सर्दियां आने वाली है। तापमान में होने वाली गिरावट के साथ ही प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। दिल्ली में 94 दिनों के बाद सोमवार को प्रदूषण की स्थिति बेहद खराब स्तर पर दर्ज हुई है। दिल्ली वासी इस दौरान बेहद खराब हवा में सांस लेने को मजबूर हो रहे है। दिल्ली की औसत वायु गुणवत्ता 310 के स्तर पर पहुंच चुकी है। इसी बीच राष्ट्रीय राजधानी में ग्रैप-2 की पाबंदियां लागू कर दी गई है। दिल्ली में एक्यूआई लेवल 300 से यादा होने पर सीएक्यूएम ग्रैप पाबंदियां लागू करने के संबंध में आदेश जारी किया है। दिल्ली में सुबह से ही ग्रैप 2 को लागू किया गया है। इसके बाद 22 अक्टूबर से दिल्ली में ग्रैप 2 लागू हुआ है। ऐसे में दिल्ली में हवा का स्तर 'बेहद खराब' बना हुआ है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानें तो 22 अक्टूबर की सुबह आठ बजे दिल्ली का औसत एक्यूआई 317 दर्ज किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर अधिक बढ़ सकता है। 22 और 23 अक्टूबर को दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर 400 के पार हो सकता है। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ने का मुख्य कारण फसल जलाना भी माना जा रहा है। धीमी हवा की गति और उच आद्रता के कारण भी प्रदूषण बढ़ रहा है। प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए ग्रैप 2 की ये पाबंदियां लागू की गई है। इस आदेश के लागू होने पर दिल्ली एनसीआर में डीजल द्वारा चलने वाले जनरेटर के उपयोग पर रोक लगाई गई है। ग्रैप 2 के लागू होने के बाद इन पाबंदियों को लागू किया गया है।

- डीजल जनरेटर चलने पर रोक
- प्राइवेट गाड़ियों के उपयोग को कम करने के लिए पार्किंग फीस बढ़ाई
- सड़कों पर मैकेनिकल/वैक्यूम स्वीपिंग और पानी का छिड़काव होगा
- मेट्रो, सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों की सर्विस बढ़ेगी
- आरडब्लूए को भी निर्देश दिए गए है कि सुरक्षा गार्ड को हीटर दिया जाए ताकि वो कूड़ा, लकड़ी ना जलाएं
- बायो गैल, प्राकृतिक गैस, एलपीजी द्वारा चलित जनरेटर ही चलेंगे।

# छठ महापर्व से पहले यमुना में गंदगी का मुद्दा गरमाया, कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने क्यों कहा, केजरीवाल डुबकी लगाएं

**नई दिल्ली** ।पूर्वांचल के लोगों का महापर्व छठ पूजा में अब महज 15 दिन का समय बचा है. पर्व से पहले लोगों के साथ राजनीतिक दलों को भी यमुना की याद आयी है. यमुना की सफाई के दावे किए जाते रहे हैं. हकीकत है कि आज भी यमुना का पानी जहरीला बना हुआ है. अमोनिया के कारण सफेद झाग से नदी पटी पड़ी है. दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कार्यकर्ताओं के साथ कालिंदी कुंज पहुंचकर यमुना घाट का जायजा लिया. देवेंद्र यादव के साथ पूर्व सांसद परवेज हाश्मी, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक आसिफ मौहम्मद खान, निगम में कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश मौजूद रहे. देवेंद्र यादव ने यमुना घाट का दौरा करने के बाद कहा कि, 7 नवम्बर 2024 को छठ का पर्व है. लाखों श्रद्धालु यमुना में डुबकी लगाकर छठ पर्व पूरा करते हैं. उन्होंने मुख्यमंत्री आतिशी से दूषित यमुना की सफाई पर विचार करने का आग्रह किया. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के दावे को याद किया. उन्होंने कहा था कि 2025 तक यमुना की सफाई के बाद खुद नदी में डुबकी लगाएंगे. इसलिए छठ पर्व पर अरविन्द केजरीवाल को यमुना में डुबकी लगाने के लिए आमंत्रित करते हैं.

उन्होंने कहा कि यमुना में डुबकी लगाने के बाद अरविंद केजरीवाल स्वस्थ बाहर नहीं आ सकते. देवेंद्र यादव ने कहा कि छठ पर्व पर माताएं-बहनें स्वास्थ्य से समझौता कर प्रदूषित यमुना में डुबकी लगाती हैं. देवेंद्र यादव ने पूछा कि दिल्लीवालों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी कौन लेगा. पिछले 11 वर्षों से आम आदमी पार्टी की सरकार यमुना की सफाई करवाने में फेल साबित हुई है. दिल्ली जल बोर्ड ने यमुना की सफाई के नाम पर 6500 करोड़ खर्च किए. इसके बावजूद यमुना और दूषित होती जा रही है. उन्होंने कहा कि दिल्ली में हर समस्या का जवाब आम आदमी पार्टी रटा-रटाया देती है. पड़ोसी राय, उपरायपाल और केन्द्र सरकार को जिम्मेदार ठहराकर पल्ला झाड़ लेती है. उन्होंने कहा कि दिल्ली के नालों का पानी बिना ट्रीट किये यमुना में डाला जा रहा है. उन्होंने पूछा कि जिम्मेदार कौन है. दिल्ली में पराली से प्रदूषण हो या यमुना का दूषित जल अरविन्द केजरीवाल पंजाब छोड़ हरियाणा और यूपी को जिम्मेदार ठहराते हैं. देवेन्द्र यादव ने यमुना में हरियाणा और यूपी से नालों का गंदा पानी सीधा यमुना में छोड़ने पर के मामले पर कहा कि दिल्ली सरकार को 11 साल बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की याद आई. इससे पहले तक केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी को किसने रोका था.

सचाई है कि राजनीति के अलावा जनता से जुड़े मुद्दे पर कभी सोचा नही. यही कारण है कि जनता का विश्वास आम आदमी पार्टी से उठ चुका है. देवेंद्र यादव ने आगे कहा कि दिल्ली की जनता को अब आम आदमी पार्टी से यादा उम्मीदें नहीं हैं. दिल्ली सरकार का भ्रष्टाचार उजागर हो चुका है. दिल्ली वालों के प्रति जिम्मेदारियों से सरकार हमेशा भागते दिखाई देती है. जनता तय कर चुकी है कि आगामी विधानसभा में केजरीवाल की पार्टी को विदा करना है.

# दिल्ली विधानसभा चुनाव और कांग्रेस से गठबंधन पर मनीष सिसोदिया ने साफ की तस्वीर, क्या कुछ बोले?

**नई दिल्ली।**

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है. उन्होंने एबीपी लाइव के खास कार्यक्रम इम्पेक्ट मेकर्स कॉन्क्लेव 2024 में कहा कि जनता 90 से 95 फीसदी सीटें फिर आप को देने वाली है. अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे के बाद मुख्यमंत्री नहीं बनने के फैसले पर मनीष सिसोदिया ने कहा, मैं जनता के बीच जाऊं तो यादा अछा है. इन्होंने कई आरोप लगाए. ये केस (दिल्ली आबकारी नीति) लंबा चलेगा, 7 से 8 साल तक तो चलेगा ही. मैं चाहता तो कुर्सी पर बैठ सकता था. हमने फैसला किया कि जनता की अदालत तय करे कि मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल पर बीजेपी ने झूठे आरोप लगाए थे. ये ईमानदारी का चुनाव है. दिल्ली की जनता कहे कि मनीष सिसोदिया को शिक्षा मंत्री बनना चाहिए, अरविंद केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनना चाहिए. इसलिए पद त्याग किया है.

जनता कहेगी की नहीं बैठना है तो कुर्सी पर नहीं बैठेंगे. दिल्ली में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर आप की पदयात्रा पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि काफी अछा रिस्पॉन्स मिल रहा है. मनीष सिसोदिया ने कांग्रेस से गठबंधन के सवाल पर कहा कि हम इंडिया गठबंधन के हिस्सा हैं. बीजेपी की नीतियां खराब है, ये हम सभी मानते हैं. इंडिया गठबंधन की सोच के मुताबिक, बीजेपी को हटाने के लिए काम कर रहे हैं. लोकसभा चुनाव में हम साथ हैं. लेकिन हम राय के हिसाब से देखें तो हमे कहां साथ लड़ना है और कहां अलग लड़ना है, ये समय के अनुसार तय करते हैं. उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई कांग्रेस से नहीं है. हमारी लड़ाई इस वक्त उस सोच से है जो इस देश की अर्थव्यवस्था को खराब कर रही है. युवाओं को भटका रही है. बीजेपी ने डीसीडब्ल्यू के कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया. हमें उस सोच को हराना है, उसके लिए हम इंडिया गठबंधन के साथ हैं. हरियाणा में कांग्रेस थोड़ा बड़ा दिल रखती. हरियाणा में बीजेपी नहीं जीती है, कांग्रेस हारी है. कांग्रेस जीता हुआ चुनाव हार जाती है. पार्टी को आत्ममंथन करना होगा. लोकसभा चुनाव में दिल्ली में खाता नहीं खोलने के सवाल पर मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली में पिछले तीन चुनावों से यही पैटर्न है. लोकसभा चुनाव में जनता बीजेपी को वोट करती है, चार महीने बाद विधानसभा चुनाव होता है तो वो अरविंद केजरीवाल को सीटें देती है. इसमें खुशी की बात है कि अब फिर जो चुनाव होने वाले हैं, उसमें भी जनता 90 से 95 फीसदी सीटें आम आदमी पार्टी को देने वाली है. यही पैटर्न काम करेगा.


**SANT RAVIDAS COMMUNICATION**

**PRINTERS & ADVERTISERS**

**प्रचार-प्रसार नही तो व्यापार नही**

हिन्दी, इंग्लिश समाचार-पत्रो में

कोर्ट/पब्लिक नोटिस, गुमशुदा, शुभकामनाएँ, श्रद्धांजली, अपील, खोया-पाया, बेदखली नामा, नाम परिवर्तन, सार्वजनिक सूचना, जन्मदिन, शुभविवाह व अन्य क्लासीफाइड विज्ञापन प्रकाशित/छपवाने के लिए संपर्क करें:-

**FLAX & ALL PRINTING WORKS**

फ्लैक्स बोर्ड, न्यूजपेपर, मैगजिन, पोस्टर, बेनर, हैड बिल व शादी कार्ड व अन्य सभी प्रकार कि प्रिंटिंग करवाने के लिए संपर्क करे।

विज्ञापन, साईन बोर्ड, पोल बोर्ड, ऑटो रिक्शा फ्लैक्स, राजनैतिक प्रचार-प्रसार, टीवी चैनलो, यू-ट्यूब व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

Add: B-2 Block H.No. 444, Ground Floor, Near by buddh temple, Sultanpuri, Delhi-86

Mo. 9582670662, E-Mail: santravidascommunication@gmail.com

# राजेश खुल्लर फिर बने सीएम नायब सैनी के मुख्य प्रधान सचिव, दो दिन में 3 बार बदला गया फैसला

**चंडीगढ़।** सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजेश खुल्लर फिर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मुख्य प्रधान सचिव बन गए हैं। खुल्लर को कैबिनेट मंत्री का रैंक देने के विरोध के चलते सरकार को दोबारा नियुक्ति आदेश जारी करने पड़े हैं। सोमवार रात 11.55 बजे जारी हुए आदेश के मुताबिक उनकी नियुक्ति 17 अक्टूबर से प्रभावी होगी। इससे पहले सरकार ने जहां शुक्रवार की रात आठ बजे उनके नियुक्ति के आदेश जारी किए थे, वहीं रात 11.55 बजे नियुक्ति के आदेश वापस लेने पड़े थे। कारण यह कि तीन वरिष्ठ मंत्रियों ने उन्हें कैबिनेट मंत्री दिए जाने का विरोध कर दिया था। हालांकि, अब फिर सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजेश खुल्लर को मुख्यमंत्री नायब सैनी के मुख्य प्रधान सचिव नियुक्त कर दिया गया है। खुल्लर 1988 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। वह 31 अगस्त 2023 को रिटायर हुए और रिटायरमेंट के 24 घंटे के भीतर ही उन्हें तत्कालीन सीएम मनोहर लाल का चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी नियुक्त कर दिया गया। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले जब भाजपा ने मनोहर लाल की जगह नायब सैनी को हरियाणा का नया सीएम बनाया था, तब भी राजेश खुल्लर उनके चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी थे। अपने 35 साल के लंबे कार्यकाल के दौरान राजेश खुल्लर कई जिलों के डीसी, विभागाध्यक्ष और प्रशासनिक सचिव रहे। हरियाणा में भ्रष्टाचार की जड़ माने जाने वाले सरकारी भर्ती, ट्रांसफर और लैंड यूज चेंज से जुड़ी प्रक्रिया को कंप्यूटराइड कराने का श्रेय राजेश खुल्लर को ही जाता है। राजेश खुल्लर की सितंबर-2020 में वर्ल्ड बैंक के वाशिंगटन डीसी कार्यालय में कार्यकारी निदेशक के रूप में नियुक्ति हो गई। उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए हुई थी। अमेरिका जाने से पहले उन्होंने करीब पांच साल हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल के साथ उनके प्रधान सचिव के रूप में काम किया। उसके बाद मनोहर सरकार के आग्रह पर केंद्र सरकार ने राजेश खुल्लर को तय टाइम से पहले वर्ल्ड बैंक से वापस हरियाणा बुलाने की मंजूरी दे दी थी। वर्ल्ड बैंक से लौटने के बाद खुल्लर को एफसीआर और राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव बनाया गया। हालिया लोकसभा चुनाव के दौरान सीएम के तत्कालीन मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर को 17 विभाग दिए गए थे।

# नारनौल में एनएच के पुल पर लुटेरों ने गाड़ी और कैश लूटे, ड्राइवर को नीचे फेंका; मृत समझकर हुआ फरार

**महेंद्रगढ़।** हरियाणा के नारनौल में किराए पर गाड़ी ले जाने के बहाने से बुलाकर अज्ञात लोगों ने बोलोरो पिकअप गाड़ी लूट ली। साथ ही वे गाड़ी मालिक से 30 हजार रुपए भी ले गए। इसके बाद उन्होंने गाड़ी मालिक को मारपीट कर पुल के नीचे फेंक दिया। इससे गाड़ी मालिक के दोनों पैरों में फ्रैक्चर आया है। गाड़ी मालिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में गांव मंढाना के राधेश्याम ने बताया कि सोमवार को वह अपने घर पर था। उसके पास पिकअप गाड़ी है और किराये पर चलाता है। शाम को उसके मोबाइल पर एक अनजान नंबर से फोन आया। उसने अपने आप को लहरोदा गांव का रहने वाला बताया। उसने कहा कि उसके घर का सामान लहरोदा से रेवाड़ी लेकर जाना है। इस पर 2300 रुपये किराए में बात पक्की हो गई। वह अपनी पिकअप गाड़ी लेकर शाम को करीब 4:30 बजे अपने घर से निकला। वह अपने गांव मंढाना से नेशनल हाईवे नंबर 148 बी के रोड से होता हुआ नीरपुर बाइपास पर पहुंच गया। नीरपुर बाईपास के पास फोन करने वाला व्यक्ति मिला। वह फोन करने वाले अनजान व्यक्ति गाड़ी में बैठ गया तथा गांव लहरोदा की तरफ चलने के लिए कहा। जब वह नेशनल हाइवे नंबर 148 बी कनेक्टिंग रोड से चल रहा था तो थोड़ा सा आगे सफेद रंग की स्कॉर्पियो गाड़ी चालक ने उसकी गाड़ी के सामने लगा दी। इस पर घबराकर उसने ब्रेक लगा दिए। स्कार्पियो गाड़ी की नंबर प्लेट कपड़े से ढकी हुई थी। जैसे ही उसने ब्रेक लगाए, तब साथ बैठे व्यक्ति ने उसकी कॉलर पड़ककर गाड़ी बंद कर दी। इसके बाद स्कॉर्पियो गाड़ी में से चार लोग उतरे तथा उसको उतारते हुए उसके साथ मारपीट की। सभी चारों लोगों ने मुंह पर कपड़ा ढका हुआ था। छीना झपटी में एक व्यक्ति के चेहरे से कपड़ा हट गया था। उसको वह पहले से जानता है। वह सोनीपत का रहने वाला अमित कुमार है।

अमित कुमार से उसने गाड़ी खरीदी थी। इस पर उन्होंने कहा कि इसको जान से मार दो। बाद में अमित ने अपने पास से एक रिवाल्वर निकालकर उसकी कनपटी पर लगा दी। उन्होंने उसकी जेब में से 30 हजार रुपये भी निकाल लिए। इसके अलावा उसके हाथ में से एक सोने की अंगूठी भी अमित व उसके साथियों ने जबरदस्ती निकाल ली। उन्होंने उसके हाथ से गाड़ी की चाबी भी छीन ली। बाद में उन्होंने उसको पुल से नीचे फेंक दिया तथा उसको मरा हुआ समझकर गाड़ी लेकर फरार हो गए। थोड़ी देर बाद किसी ने एंबुलेंस को फोन कर उसको नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

## साक्षी मलिक के दावे पर बोलीं विनेश फोगाट : अगर बहनों के लिए बोलना लालच है तो यह अच्छा है

**चंडीगढ़ ।**ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने बजरंग पूनिया और विधायक विनेश फोगाट के बारे में कहा था कि दोनों के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इस पर कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने कहा कि किस बात का लालच? ये साक्षी मलिक से पूछना चाहिए। अगर बहनों के लिए बोलना लालच है, तो मुझे यह लालच है और यह अछा है। अगर यह लालच है। देश का प्रतिनिधित्व करके ओलंपिक पदक लाना, तो यह अछा लालच है...ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा। साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं। उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस' में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है। उन्होंने इसमें बताया कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इतना ही नहीं किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरूआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान और

# हरियाणा के एनसीआर क्षेत्र की आबोहवा खराब, लोगों को सांस लेने में हो रही मुश्किल

**झजर ।**

देश की राजधानी दिल्ली से सटे हरियाणा के एनसीआर क्षेत्र की आबोहवा लगातार खराब होती जा रही है। बहादुरगढ़ का एक्यूआई लेवल 252 के पार पहुंच चुका है। झजर जिला उपयुक्त शक्ति सिंह ने लोगों से पराली नहीं जलाने की अपील की है। इतना ही नहीं प्रदेश सरकार भी परली नहीं जलाने वाले किसानों को 1000 रुपए प्रति एकड़ की प्रोत्साहन राशि भी दे रही है। हालांकि इस बार झजर जिले में सिर्फ एक किसान ने अपने खेत में धान की पराली जलाई है, जिस पर कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने उस किसान के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। इतना ही नहीं एनजीटी द्वारा जारी किए गए ग्रेप 2 के नियम भी अब यहां लागू हो चुके हैं। लगातार बढ़ता प्रदूषण लोगों की परेशानी का सबक बना हुआ है। प्रदेश में पराली जलाने के मामले रुकने का नाम नहीं ले रहे। दूसरी तरफ इंडस्ट्रियल पॉल्यूशन और प्रदेश की टूटी हुई सड़कों से उड़ने वाली धूल लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। आम लोगों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। बुजुर्गों और बचों की सेहत खराब होने का भी खतरा बना हुआ है। झजर जिला प्रशासन मुस्तादी से काम कर रहा है। प्रदूषण फैलाने वाले लोगों पर नजर रखी जा रही है। झजर जिले के डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने लोगों से पराली नहीं जलाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि एनजीटी द्वारा लागू किए गए ग्रेप-2 के नियम भी अब लागू हो चुके हैं। ऐसे में फैक्ट्री में डीजल जनरेटर चलाने पर पूर्णतया प्रतिबंध लगाया गया है। झजर जिले के किसान बेहद जागरूक है। यहां केवल एक किसान ने अब तक अपने खेत में पराली में आग लगाई है। जिस पर जिला प्रशासन ने एफआईआर दर्ज करवा दी है। किसानों की मानें तो वे प्रदेश सरकार द्वारा दी जाने वाली 1000 रुपए प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि से भी बेहद खुश हैं। इतना ही नहीं किसानों का कहना है कि उनकी पराली यहां हाथों-हाथ बिक रही है। जिससे किसानों को 3-4 हजार रुपये प्रति एकड़ का मुनाफा हो रहा है।

# प्रेशर पाइप फटने से रोडवेज बस टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकराई, 15 से अधिक यात्री घायल

**यमुनानगर ।** यमुनानगर में सवारियों से भरी रोडवेज बस तेजी से टोल प्लाजा के डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में डेढ़ दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर कुछ को मामूली चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद वापस भेज दिया। हादसा थाना छप्पर क्षेत्र के मिल्क माजरा टोल प्लाजा के पास हुआ। बताया जा रहा है कि मंगलवार को हरियाणा रोडवेज बस यमुनानगर से सवारी लेकर अंबाला के लिए रवाना हुई थी। अंबाला रोड पर मिल्क माजरा टोल प्लाजा पर पहुंचने पर बस का प्रेशर पाइप फट गया। जिससे बस पर चालक का नियंत्रण नहीं रहा। चालक ने बस को कंट्रोल करने का प्रयास किया। लेकिन, बस टोल प्लाजा के डिवाइडर से सीधी टकरा गई। हादसे में चालक समेत करीब 20 यात्री घायल हो गए। कुछ को मामूली चोटें आई हैं। घायलों को नागरिक अस्पताल जगाधरी में लाया गया। 15 घायलों का अस्पताल में उपचार किया गया। सभी को मामूली चोट लगी हैं। किसी की भी हालत गंभीर नहीं है। चिकित्सकों ने यादातर घायलों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी। वहीं, कुछ को भर्ती कराया गया है।

# मंत्री श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को दिए निर्देश, विकास कार्यो पर तेजी से हो काम

**भिवानी ।** हरियाणा की सिंचाई एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि दक्षिण हरियाणा के रेगिस्तानी क्षेत्र में पीने व सिंचाई के पानी के प्रबंधन को लेकर आने वाले समय में बेहतर कार्य किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री चौ. बंसीलाल द्वारा शुरू की गई लिफ्ट इरीगेशन की व्यवस्था के सुदृढीकरण के लिए आने वाले समय में कार्य किया जाएगा, ताकि हर व्यक्ति तक पीने व सिंचाई के पानी की व्यवस्था हो सकें यह बात उन्होंने आज भिवानी में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही।

**शिकायत पाए जाने पर की जाएगी कडी कार्रवाई**

केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने आज जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों से बैठक कर विभिन्न विभागों के चल रहे विकास कार्यो की प्रगति रिपोर्ट ली तथा कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को अधिकारी तीव्र गति से आगे बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जीरो टोलरेंस की नीति को आगे बढ़ाते हुए अधिकारियों को कार्य करना है तथा भ्रष्टाचार की कोई भी शिकायत पाए जाने पर कडी कार्रवाई किए की जाएगी। केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि तोशाम क्षेत्र में पानी की निकासी, भिवानी जिला में वॉटर लॉगिंग की समस्या, जल संरक्षण तथा भूमिगत जल के रिचार्ज को लेकर चलाई जाने वाली योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए तथा अगले एक माह में इनकी प्रगति रिपोर्ट भी अगली मीटिंग में उनके समक्ष रखे जाने की बात कही।

**महिलाओं को 2100 रूपये व बेटियों को दी जाएगी स्कूटी**

मीटिंग के बाद पत्रकार वार्ता के दौरान केबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सिंचाई विभाग की जिम्मेवारी सौंपकर मुख्यमंत्री ने उन पर विश्वास जताया है। सिंचाई विभाग के तहत समान जल बंटवारे को लेकर वे कार्य करेंगी तथा भाजपा के संकल्प पत्र के प्रारंभिक बिंदुओं में प्रदेश की आधी आबादी महिलाओं को लेकर कल्याणकारी योजनाएं लागू करने की थी। जिसमें महिला उत्थान को लेकर 2100 रूपये तथा बेटियों को स्कूली उपलब्ध करवाने जैसी घोषणाओं का कार्य आगे बढ़ाया जाएगा।

# भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में, वित्त मंत्री ने अमेरिका में किया यह दावा

**नई दिल्ली ।** वैश्विक आर्थिक माहौल से जुड़ी चुनौतियां के बीच भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यह दावा अपने अमेरिका दौरे पर किया है। न्यूयॉर्क में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब देश अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं, तो भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं व सेवाओं के स्रोतों में विविधता लाने के इच्छुक कई देशों के लिए प्रमुख साझेदार बनेगा। सीतारमण ने सोमवार को कोलंबिया विश्वविद्यालय में 'चुनौतीपूर्ण तथा अनिश्चित वैश्विक माहौल के बीच भारत की आर्थिक मजबूती व संभावनाएं' विषय पर विशेष व्याख्यान को संबंधित किया। उन्होंने कहा कि भारत घरेलू क्षमताओं को बढ़ाने तथा बाहरी झटकों के प्रति मजबूती विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है। सीतारमण ने कहा, ''हालांकि पिछले दशकों में व्यापक बहुपक्षीय व्यापार के कारण वैश्विक वृद्धि हुई, लेकिन मेरा मानना है कि आने वाले वर्ष रणनीतिक आर्थिक साझेदारियों से परिभाषित होंगे और भारत इस बदलाव फायदा उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक वातावरण चुनौतियां पेश कर सकता है, लेकिन ''भारत वृद्धि के नए अवसरों का लाभ उठाने की अच्छी स्थिति में है।'' वित्त मंत्री ने कहा, ''अधिक विखंडित हैं...वास्तव में भारत के लिए लाभकारी

वैश्विक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना, जिसमें पुनर्परिभाषित गठबंधन तथा बदलते व्यापार तरीके शामिल हो सकता है। जैसे-जैसे राष्ट्र अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्मूल्यांकन करते हैं, भारत को उम्मीद है कि वह वस्तुओं व सेवाओं के अपने स्रोतों में विविधता लाने की चाह रखने वाले कई देशों के लिए एक प्रमुख भागीदार बन जाएगा।''भारत की आर्थिक नीतियों पर इस व्याख्यान का आयोजन कोलंबिया के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में दीपक एवं नीरा राज सेंटर द्वारा किया गया था। सीतारमण मैक्सिको की यात्रा संपन्न करने के बाद रविवार को न्यूयॉर्क पहुंचीं।

मैक्सिको में उन्होंने ग्वाडलजारा में टेक लीडर्स राउंडटेबल की अध्यक्षता की थी। मंत्री ने ग्वाडलजारा में टीसीएस मुख्यालय का दौरा भी किया था। न्यूयॉर्क में उन्होंने न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में 'भारत में निवेश के अवसर' पर एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित किया। साथ ही आईबीएम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अरविंद कृष्ण के साथ उन्होंने भारत के दशकीय आर्थिक सुधारों तथा आर्थिक वृद्धि पर एक चर्चा में हिस्सा लिया। न्यूयॉर्क से सीतारमण वाशिंगटन डीसी जाएंगी। वहां वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) तथा विश्व बैंक की वार्षिक बैठकों, जी-20 वित्त मंत्रियों व केंद्रीय बैंक गवर्नर (एफएमसीबीजी) की बैठकों, जी-20 एफएमसीबीजी, पर्यावरण मंत्रियों एवं विदेश मंत्रियों की संयुक्त बैठक और जी-7- अफ्रीका मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में हिस्सा लेंगी।

# रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 31प्रतिशत बढ़ा; धर्मा प्रोडक्शंस में अदार पूनावाला आधे के हिस्सेदार

**बिजनेस डेस्क।** अर्थव्यवस्था की मजबूत वृद्धि को देखते हुए विदेशी निवेशकों में भारत की विकास गाथा को लेकर भरोसा बना है। यही वजह है कि इन निवेशकों की भारतीय रियल एस्टेट में भागीदारी बढ़ी है। रियल्टी सलाहकार वेस्टियन की सोमवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, घरेलू रियल एस्टेट में चालू कैलेंडर वर्ष के पहले नौ महीने (जनवरी-सितंबर) में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 31 फीसदी बढ़कर 4.61 अरब डॉलर पहुंच गया। यह 2023 में रियल एस्टेट में हुए कुल संस्थागत निवेश से अधिक है। इसके अलावा, जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान भी संस्थागत निवेश 41 फीसदी बढ़कर 96.08 करोड़ डॉलर पहुंच गया। घरेलू निवेशक भी सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। देशभर में तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास से समर्थन मिल रहा है। वैक्सीन निर्माता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट के सीईओ अदार पूनावाला अब फिल्म निर्माता करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस में आधे के हिस्सेदार हो गए हैं। उन्होंने धर्मा प्रोडक्शंस में 50 फीसदी हिस्सेदारी 1,000 करोड़ में खरीद ली है। कंपनी चलाने में अरसे से दिक्कतों का सामना कर

रहे करण इससे पहले लायका प्रोडक्शंस, जियो स्टूडियो, सारेगामा स्टूडियोज व अदाणी ब्रदर्स जैसे कॉरपोरेट घरानों से भी इस बारे मे चर्चा करते रहे हैं। जानकारी के अनुसार, नई साझेदारी के बाद भी करण कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष व अपूर्व मेहता मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने रहेंगे। कंपनी अब डिजिटल कार्यक्रमों पर फोकस करेगी। धर्मा प्रोडक्शंस की स्थापना करण जौहर के पिता यश जौहर ने 1976 में की थी। देशभर की जन औषधि दुकानों की बिक्री इस साल अक्तूबर में 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इससे पहले दिसंबर 2023 में यह उपलब्धि हासिल हुई थी। विशेष रूप से, फार्मास्यूटिकल्स एंड मेडिकल डिवाइसेज ब्यूरो ऑफ इंडिया ने सितंबर 2024 के एक महीने में 200 करोड़ रुपये की दवाएं बेची थीं। रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने कहा, यह उपलब्धि सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं पर लोगों के बढ़ते विश्वास और निर्भरता को दिखाता है। यूको बैंक का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कारोबार 13.56 फीसदी बढ़कर 4,73,704 करोड़ पहुंच गया। बैंक के एमडी-सीईओ अश्विनी कुमार ने कहा, सकल एनपीए घटकर 3.18 फीसदी रह गया। परिचालन लाभ 1,432 करोड़ रहा। प्रवर्तन निदेशालय ने सीमा पार से मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क से जुड़े धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत जांच के सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

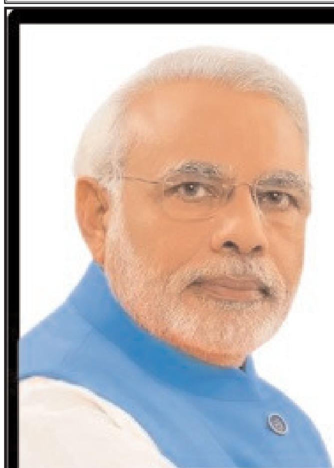

# माननीय प्रधानमंत्री-भारत सरकार

# एवं उपराज्यपाल, श्री विनय कुमार सक्सेना जी

# दिल्ली सरकार के

# सिचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग

## अधिशासी अभियंताओं द्वारा विकास एवं निर्माण कार्य में

## वर्षो से कराऐं गए व कराऐ जा रहे विकास एवं निर्माण कार्य में फर्जी बिल लगाकर।

# करोड़ो के घोटाले व भष्टाचार की जांच

## श्रीमान निदेशक, सीबीआई, भारत सरकार से कराई जाएं।

**छठ घाटो में टेन्ट, पानी टैंकर, बड़े नालो की साफ-सफाई, बॉउन्ड्रीवाल के फर्जी बिल लगाकरकिए गए करोड़ो के घोटाले और हरे-भरे पेड़ो को काटकर खुलेआम बेचा जा रहा है।**

**CD-II,III,IV,V,VII,IX,XI,XIII के ई.ई ए.सुरेन कुमार, नागेन्द्र प्रताप मोर्या, सुधीर कुमार आर्य, विवेक चौहान, प्रदीप नेक, अनुराग जैन, बी.डी.शर्मा, गगन गौड़, ए.ई, जे.ई ने ठेकेदारों की मिलीभगत से दिल्ली के विधानसभा क्षेत्रों के विकास एवं निर्माण कार्य में घटिया निर्माण सामग्री और फर्जी बिल बनाकर कर रहे है अपना समाजवाद दूर!**

## भ्रष्टाचारियों व कमिशन खोरो का अड्डा बना ई.ई सुरेन कुमार, सतर्कता कार्यालय: बसई दारापुर?

## निवेदक: अपराध एवं भ्रष्टाचार निरोधक मोर्चा (विज्ञापन)

अनागरिक
गीता भारती
बहुत हुई बेरोजगारी व महंगाई की मार
हाथ
बदलेगा
हालात
इस बार कांग्रेस सरकार
सुल्तानपुर माजरा विधानसभा की पहचान
विजय कुमार भारती
पत्रकार, महासचिव: जिला कांग्रेस कमेटी
REPUBLICAN MAJDOOR SANGTHAN (Regd.)
DR. B.R. AMBEDKAR
रिपब्लिकन मज़दूर संगठन